'अ|आ + ऋ - अर्'

देव + ऋषि - देवर्षि, महा + ऋषि - महर्षि

अर्

अर्

कण्व + ऋषि - कण्वर्षि, ग्रीष्म + ऋतु - ग्रीष्मर्तु

अर्

अर्

वर्षर्तु - वर्षा + ऋतु, महर्ण - महा + ऋण

अर्

शिशिरर्तु - शिशिर + ऋतु अर्

③ वृद्धि स्वर संधि – [अ | आ + ए | ऐ – ऐ
अ | आ + ओ | औ – औ]

यदि अ | आ के बाद असमान स्वर 'ए | ऐ' आ जाए तो 'ऐ' हो जाता है, और यदि अ | आ के बाद असमान स्वर 'ओ | औ' आ जाए तो 'औ' हो जाता है –

जैसे – एक + एक – एकैक, परम + ओजस्वी – परमौजस्वी

ए

औ

'अ+ए-ऐ'

शुभ+एषी - शुभैषी, प्रिय+एषी - प्रियैषी

ऐ ऐ

पुत्र+एषणा - पुत्रैषणा, वित्त+एषणा - वित्तैषणा

ऐ ऐ

हितैषी - हित+एषी, अद्यैवं - अद्य+एवं

ऐ ऐ

'आ+ए-ऐ'

सदा+एव-सदैव, अधुना+एव- अधुनैव

ऐ ऐ

तथैव- तथा+एव, वसुधैव- वसुधा+एव

ऐ ऐ

महैषणा- महा+एषणा

ऐ

'अ+ऐ-ऐ'

मतैक्य - मत+ऐक्य

ऐ

विश्व+ऐक्य - विश्वैक्य, देव+ऐश्वर्य - देवैश्वर्य

ऐ ऐ

परम+ऐन्द्रजालिक - परमैन्द्रजालिक लोकैश्वर्य - लोक+ऐश्वर्य

ऐ ऐ

विचारैक्य - विचार+ऐक्य, स्वैच्छिक - स्व+ऐच्छिक

ऐ ऐ